

भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 46

शुक्रवार, 21 जून, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

लू चलना

46. श्री रोडमल नागर:  
श्री सुमेधानन्द सरस्वती:  
श्री रविन्द्र श्यामनारायण शुक्ला उर्फ रवि किशन:  
श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरे:  
श्री सुनील कुमार सिंह:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि देश के कई भागों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक पहुंच गया है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत तीन वर्षों के दौरान देश में दर्ज किया गया औसत तापमान कितना है;
- (ग) क्या सरकार का लू चलने और गर्म मौसम की परिस्थितियों से संरक्षण हेतु दीर्घकालिक उपाय करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) उच्च तापमान दर्ज करने वाले राज्यों, विशेषकर राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश को दी गई विशेष सहायता, यदि कोई हो तो का ब्यौरा क्या है?

उत्तर  
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री  
(डॉ. हर्ष वर्धन)

- (क) जी हाँ। सरकार इस बात से अवगत है कि वर्ष 2019 के ग्रीष्मकाल में देश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेन्टीग्रेड से अधिक महसूस किया गया है। बढ़ते वैश्विक तापमान के अनुरूप भारत में तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि को भी सरकार द्वारा नोट किया गया है।
- (ख) पिछले तीन वर्षों (2016 से 2018) के दौरान पूरे देश के वार्षिक औसत तापमान और विसंगतियों का विवरण नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

वर्ष	वार्षिक तापमान (°सें.)	वार्षिक तापमान विसंगति (°सें.) (वर्ष 1981-2010 के जलवायु विज्ञान के आधार पर)
2016	26.20	+0.70
2017	26.04	+0.54
2018	25.90	+0.39

वर्ष 2018 के दौरान भारत में औसत तापमान सामान्य से बहुत अधिक था। इस वर्ष के दौरान, औसतन देश में सतही हवा का वार्षिक औसत तापमान (1981-2010 की अवधि में) औसत से 0.39° से. अधिक था। वर्ष 1901 में राष्ट्रव्यापी रिकॉर्ड संधारण शुरू होने के बाद से वर्ष 2018 अब तक का छठा सबसे गर्म वर्ष था। हालांकि, वर्ष 2016 के दौरान भारत में पड़ी सबसे अधिक गर्मी ((+0.7068°सें.) की तुलना में यह काफी कम है।

(ग-घ) एक अनुकूलनकारी उपाय के रूप में, आईएमडी ने स्थानीय स्वास्थ्य विभागों के साथ मिलकर देश के कई भागों में हीट एक्शन प्लान शुरू किया है ताकि हीट वेबज की पूर्व-चेतावनी और इन अवसरों के दौरान किए जाने वाले उपायों के बारे में सलाह दी जा सके, वर्ष 2013 से हीट एक्शन प्लान प्रचालित किया जा रहा है।

हीट एक्शन प्लान एक व्यापक पूर्व-चेतावनी प्रणाली है और यह प्रचण्ड गर्मी की घटनाओं से निपटने के लिए तैयार रहने की योजना है। इस योजना में कमजोर वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य पर प्रचण्ड गर्मी के हानिकारक प्रभावों को कम करने के लिए तैयारियां करने, सूचना के साझाकरण और प्रतिक्रिया समन्वय को बढ़ाने के लिए तात्कालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई प्रस्तुत कर गई हैं।

हीट एक्शन प्लान के मुख्य उद्देश्य हैं:

- पूर्वानुमानित उच्च और चरम तापमान के बारे में निवासियों को सचेत करने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली और अंतर-एजेंसी समन्वय स्थापित करना। कौन सा व्यक्ति क्या, कब, और कैसे करेगा, इसके बारे में प्रमुख विभागों विशेषतः स्वास्थ्य विभाग के व्यक्तियों और इकाइयों को स्पष्ट रूप से बताया जाता है।

- गर्मी से संबंधित बीमारियों, विशेष रूप से अत्यधिक गर्मी की घटनाओं को पहचानने और उन पर कार्रवाई करने के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्यकर्मियों के लिए क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण कार्यक्रम। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ और सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मचारियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि वे मृत्यु दर और रुग्णता को कम करने के लिए गर्मी से संबंधित चिकित्सा मुद्दों को प्रभावी ढंग से रोक सकें और उनका प्रबंधन कर सकें।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और भारत मौसम विज्ञान विभाग 23 राज्य के साथ कार्य कर रहे हैं जो हीट कार्य योजना तैयार करने के लिए हीट वेब स्थितियां उत्पन्न करने वाले उच्च तापमान को दर्ज करते हैं। पूरे भारत में बढ़ रही गर्मी से पता चलता है कि भारत में चरम तापमान की बारंबारता बढ़ रही है जिनमें हल्के तापमान वाले भौगोलिक क्षेत्र जैसे भारत में हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। मई 2019 तक, निम्नलिखित राज्य हीट एक्शन प्लान के तहत हैं:

- आंध्र प्रदेश
- अरुणाचल प्रदेश
- बिहार
- छत्तीसगढ़
- दिल्ली
- गुजरात
- गोवा
- हरियाणा
- हिमाचल प्रदेश
- झारखंड
- जम्मू और कश्मीर
- कर्नाटक
- केरल
- महाराष्ट्र
- मध्य प्रदेश
- ओडिशा
- पंजाब
- राजस्थान
- तमिलनाडु
- तेलंगाना
- उत्तराखंड
- उत्तर प्रदेश
- पश्चिम बंगाल

अप्रैल, मई और जून के महीनों में अधिकतम तापमान के साथ-साथ लू में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। आईएमडी ने वर्ष 2016 से नियोजन के उद्देश्य से मार्च के अंतिम सप्ताह में अप्रैल, मई और जून के तापमान का सीज़नल आउटलुक जारी करना शुरू कर दिया।

\*\*\*\*\*